बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

दास यूसुफ का परमेश्वर द्वारा सम्मान

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: M. Maillot; Lazarus
रूपान्तरकार: M. Maillot; Sarah S; Alastair P.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children

www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यूसुफ गलत तरीके से अपने पूर्व मालिक, पोतीपर द्वारा जेल में डाल दिया गया था। जेल में यूसुफ आज्ञाकारी और मददगार था। वार्डन, जेल के जन जीवन को व्यवस्थित करने के लिए यूसुफ पर भरोसा किया। परमेश्वर यूसुफ के साथ था, इसीलिए जेल सबके लिए एक बेहतर जगह बन गई।

राजा के पिलानेहारा और पकानेहारा जेल में थे। यूसुफ एक दिन उनसे पूछा, "तुम इतने उदास क्यों हो?"

परेशान पुरुषों ने जवाब दिया,
"कोई भी हमारे सपनों का भेद
नहीं समझा पा रहा हैं।"यूसुफ ने
कहा, "परमेश्वर बता सकते हैं!"
मुझे स्वप्न बताओ।

यूसुफ ने पिलानेहारा से कहा, "तुम्हारे सपने का मतलब यह है कि तुम तीन दिनों में वापस राजा फिरौन के पक्ष में हो जाओगे।"

"तब तुम याद करना और मुझे मुक्त करने के लिए फिरौन से निवेदन करना।" पकानेहारे के सपने के अर्थ में बुरी खबर थी। यूसुफ ने कहा, "तुम तीन दिन में मार दिए जाओगे।" दोनों सपने सच हुवे।

परन्तु पिलानेहारा यूसुफ के बारे में भूला रहा जबतक कि फिरौन बड़ा परेशान एक दिन नींद से जागा। वह चीखा, "मैंने एक स्वप्न देखा है।"

उसके पण्डितों में से कोई भी उसे इसका अर्थ समझा नहीं सकता था। फिर पिलानेहारे ने जेल में यूसुफ को याद किया। वह उसके बारे में फिरौन को बताया।

फिरौन तुरंत यूसुफ को बुलवाने भेजा।
यूसुफ ने राजा को बताया कि "आपका सपना परमेश्वर की ओर से एक संदेश है। मिस्र का सात साल बहुत फलदाई होगा, और सात साल के लिए भयंकर आकाल पड़ेगा।"

यूसुफ ने फिरौन को सलाह दी "अब तुम सात अच्छे वर्षों के दौरान खाद्य भंडार को भरने के लिए योजना बनाओ" नहीं तो तुम्हारे लोग आकाल में भूखों मौत मरेंगे। "परमेश्वर तुम्हारे साथ है," फिरौन ने घोषणा की। "अबसे मिस्र की बागडोर तुम संभालोगे" अब मेरे बाद तुम ही रहोगे।

सात साल के अच्छे (फलदाई) वर्ष आये। फिर सात वर्ष आकाल के। मिस्र को छोड़कर हर जगह अन्न दुर्लभ था क्यूंकि वे बड़ी समझदारी से पर्याप्त खाद्य जमा किये थे। यूसुफ के दूर अपने देश में, याकूब का परिवार भूख से मर रहा था।

सभी देशों के लोग अनाज खरीदने के लिए मिस्र देश आया करते थे। याकूब, अपने पुत्रों को आज्ञा दी "तुम्हे भी जाना चाहिए" नहीं तो हम यहाँ भूखों मर जायेंग। मिस्र में पहुंचते ही, बेटों ने भोजन खरीदने के लिए तैयारी की।

याकूब के पुत्रों ने मिस्र के उत्तरदायी व्यक्ति के सामने अपने सरों को झुकाया। वे अपने भाई यूसुफ को पहचान न सके। लेकिन यूसुफ उन्हें पहचान लिए था। यूसुफ अपने बचपन के सपनों को याद किया। परमेश्वर उसे अपने भाइयों के ऊपर ठहराया है।

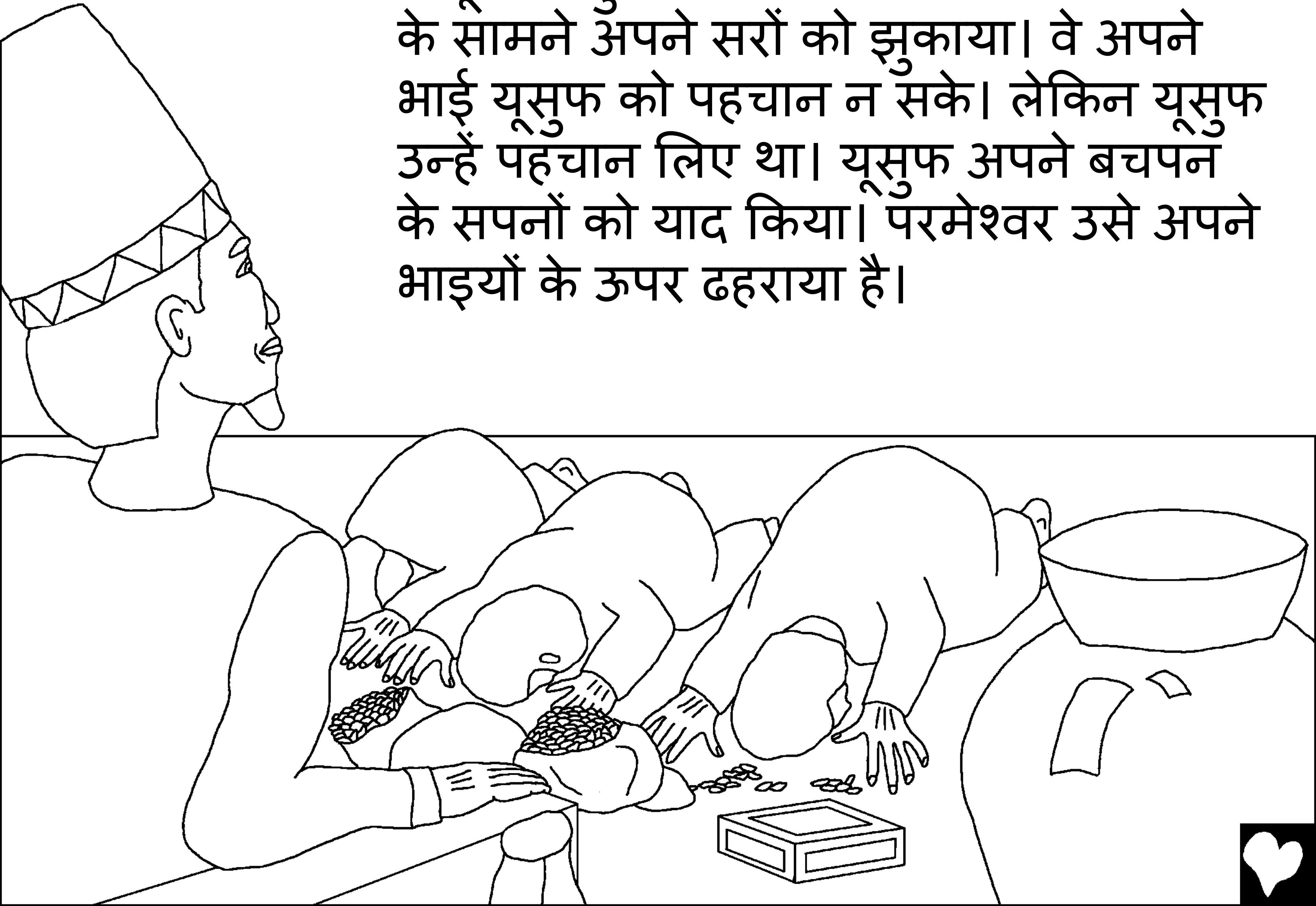

यूसुफ बहुत बुद्धिमान था। वह उनसे अशिष्टता पूर्वक बातें की और अपने भाई शिमोन को बंधक बना अपने पास रख लिया।

उसने उन्हें आदेश दिया "भोजन ले लो, घर लौट जाओ और अपने छोटे भाई के साथ वापस आना तो फिर मैं विश्वास करूँगा की तुम सब भेदिये नहीं हो।"

भाइयों ने सोचा कि बहुत साल पहले यूसुफ को एक दास के रूप में बेचने के कारण परमेश्वर अब उन्हें दंडित कर रह था।

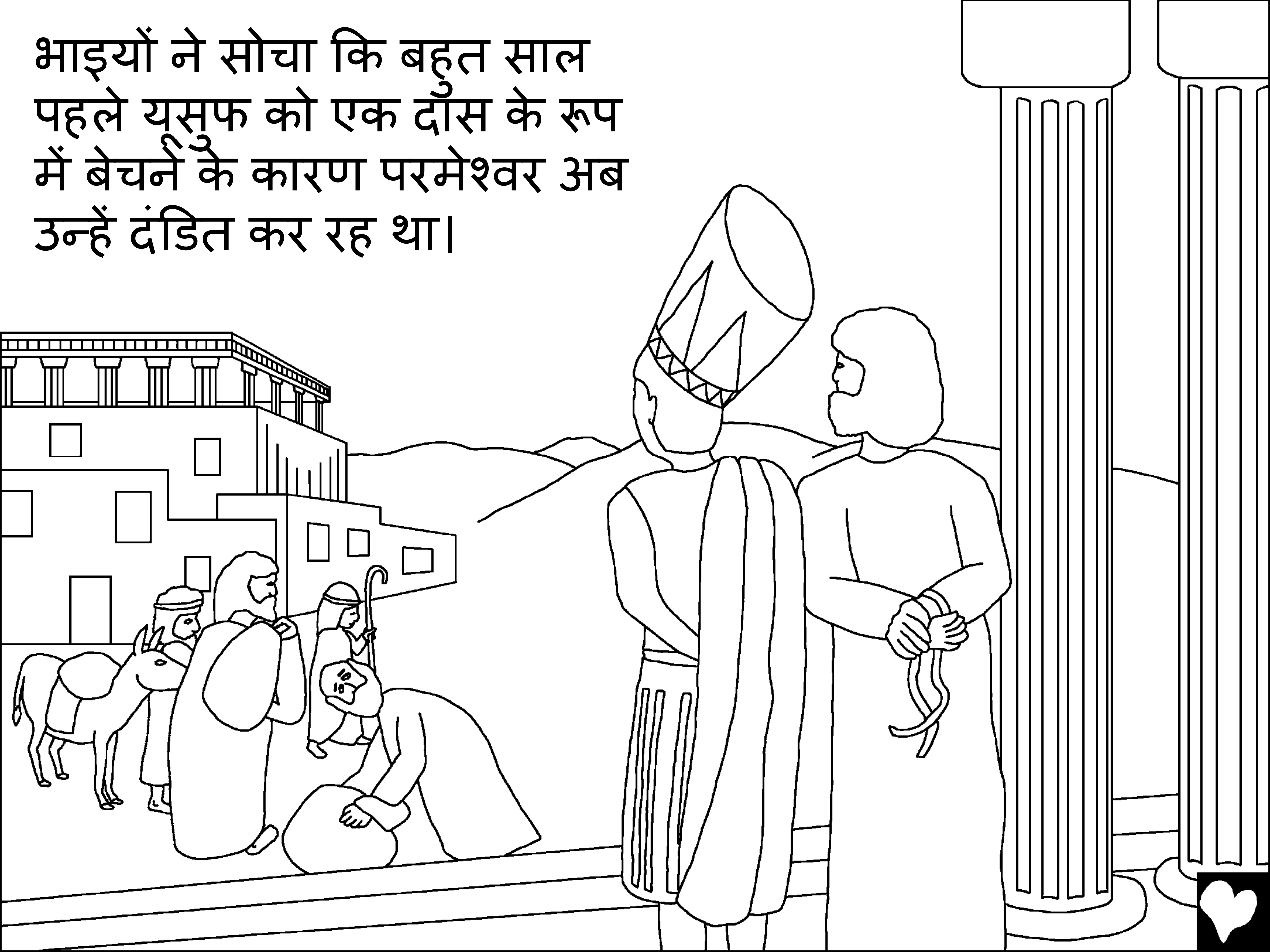

याकूब और उसके पुत्र सब उलझन में थे। "हमारा पैसा अनाज में वापस लौटा दिया गया है। और शासक चाहता है कि हम बिन्यामीन को उसके पास लायें।" याकूब, बिन्यामीन को जाने नहीं देगा। परन्तु जल्द ही भोजन खत्म हो गया। भाइयों को वापस मिस्त्र जाना ही पड़ेगा। इस बार बिन्यामीन भी उनके साथ गया।

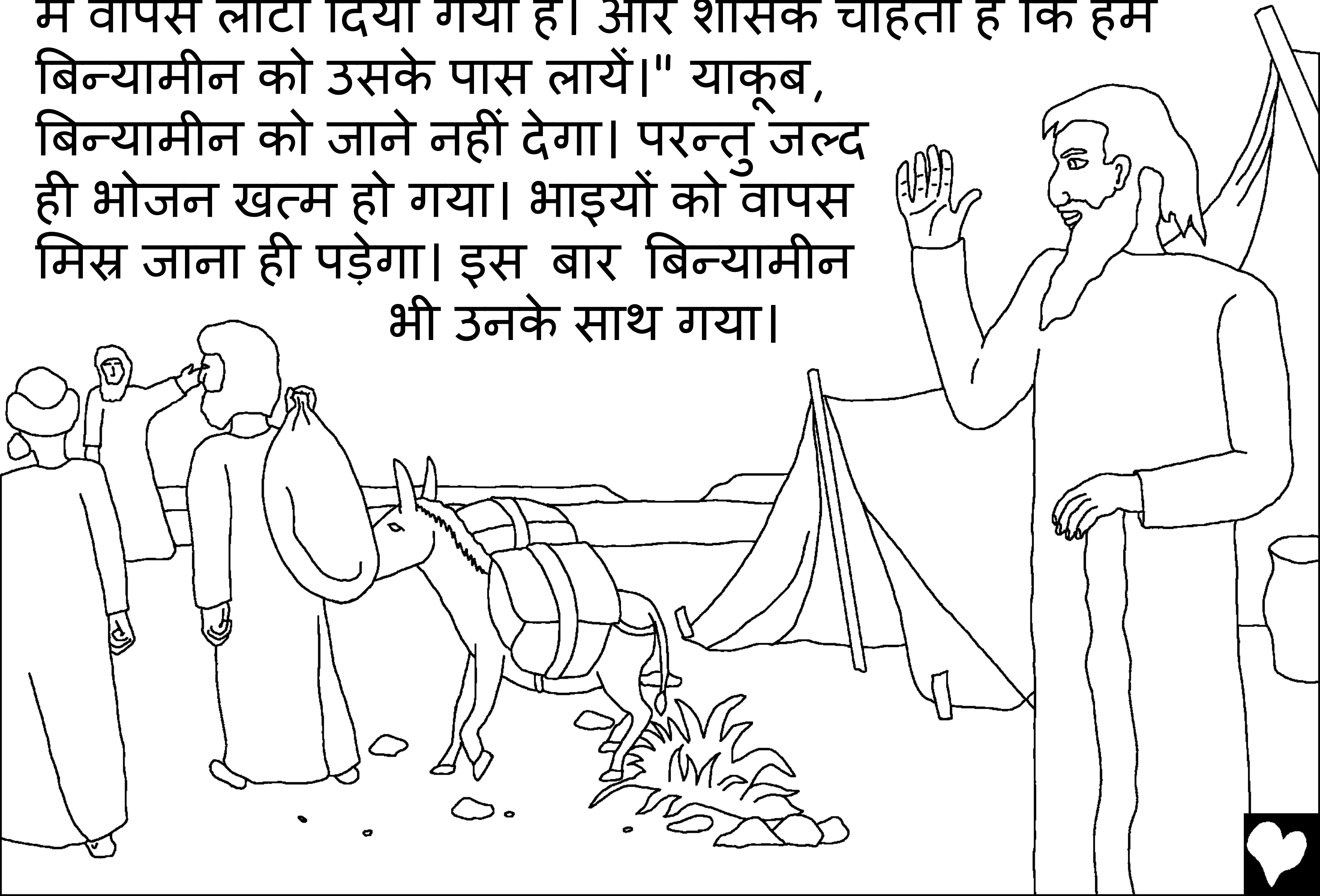

यूसुफ, बिन्यामीन को देखकर, अपने सेवकों को एक बड़ा दावत तैयार करने के लिए आदेश दिया। भाइयों को आमंत्रित किया गया। यूसुफ ने पुछा "क्या तुम्हारा पिता जीवित है?" शायद वह यह सोच रहा था कि पूरे परिवार को एक साथ कैसे लाया जा सकता है।

यूसुफ यह भी जानना चाहता था कि उसके भाइयों द्वारा कई वर्षों पहले किये अपने पापों के लिए वास्तव में खेद था। भोज के बाद वह उनपर चोरी का आरोप लगाया। यूसुफ ने कहा, "तुम्हें सज़ा देने के लिए बेंजामिन को अपने दास के रूप में रखूँगा" यहूदा ने विनती की

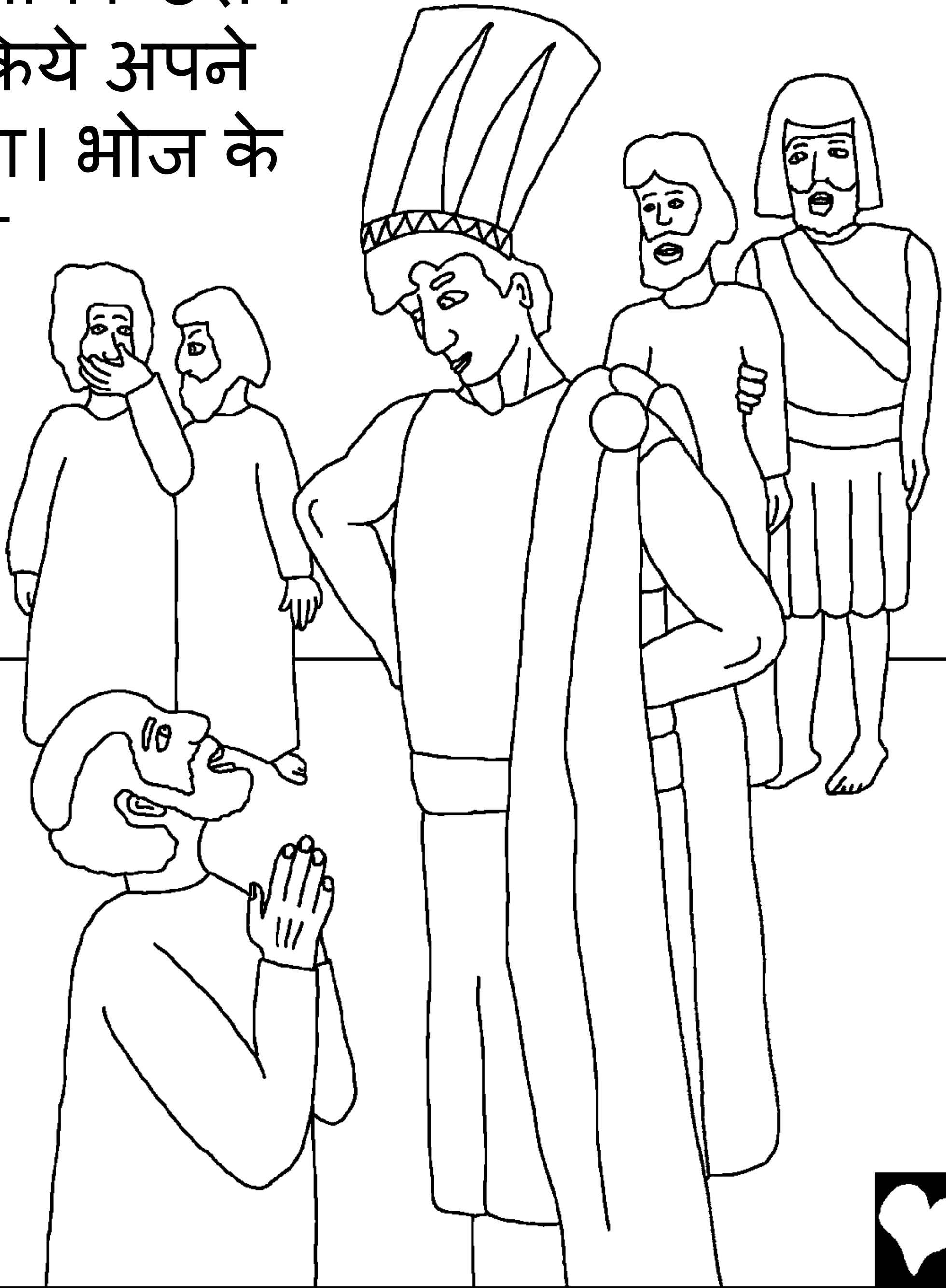

"मेरे प्रभु, बजाय उसके तू मेरी जान ले ले।" यूसुफ को पता हो गया की जो यहूदा यूसुफ को बेचने का सुझाव दिया था, अब सच में बदल गया था।

जब यूसुफ उसके परिवार के लिए अपने प्यार को छिपा न सका, तब सभी मिस्रवासियों को बहार भेजा फिर वह रोने लगा। "मैं तुम्हारा भाई यूसुफ हूँ जिसे तुम मिस्रियों के हाँथ बेच दिए। हैरान और डर के मारे, भाइयों ने कुछ भी नहीं कहा।"

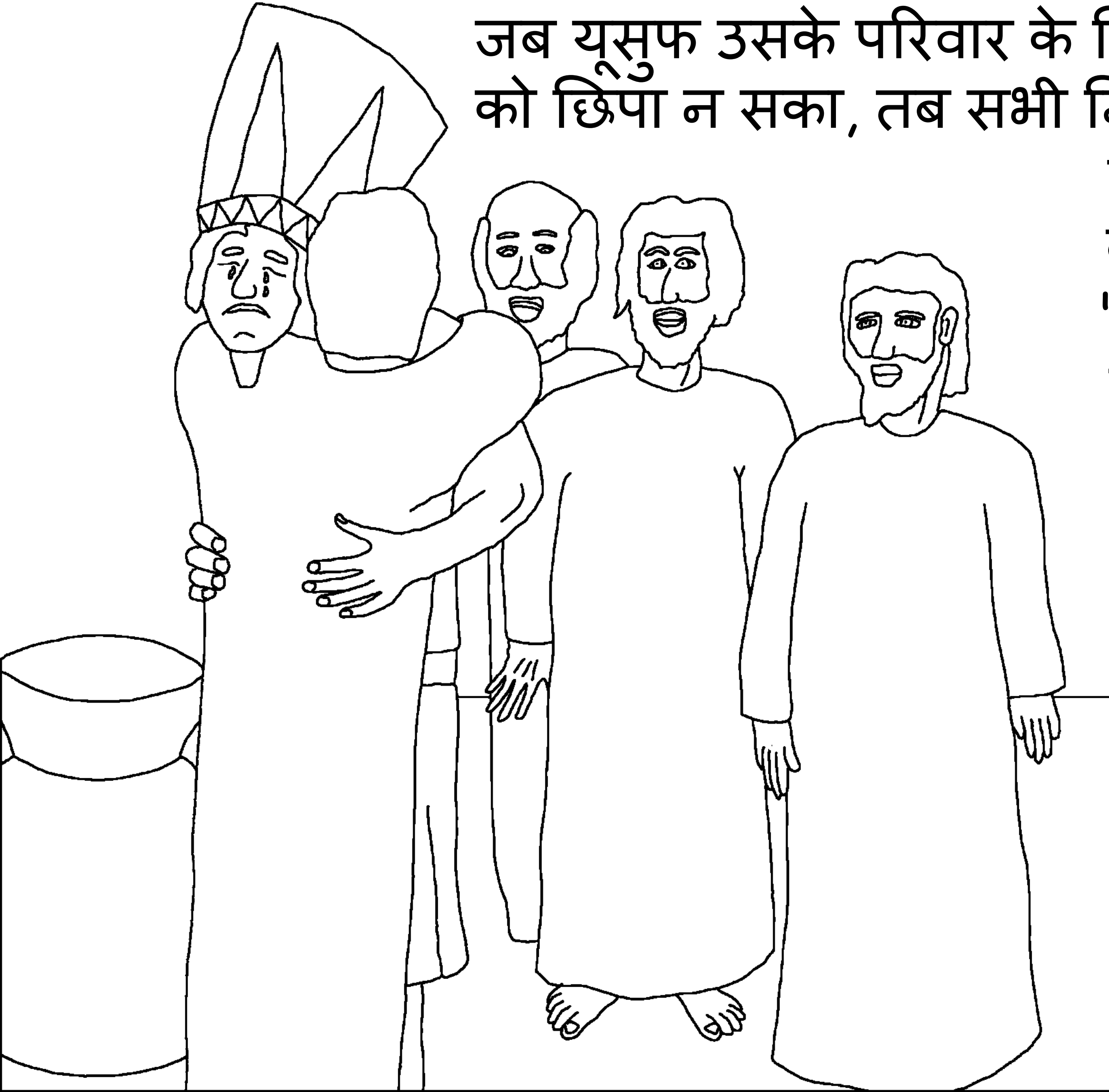

यूसुफ ने अपने भाइयों को प्रोत्साहित किया।

"परमेश्वर ने मुझे मिस्र में अधिकारी बना दिया है ताकि मैं इस अकाल

में तुम्हारे जीवन की रक्षा कर सकूँ। जाओ, मेरे पिता को मेरे पास लाओ। मैं तुम सबों की देखभाल करुंगा।"

याकूब और यूसुफ
मिस्र में फिर से एक
दूसरे से मिल पाये और
पूरा परिवार शांति और
भरपूरी में वहां रहा।

दास यूसुफ का परमेश्वर द्वारा सम्मान

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

उत्पत्ति 39 - 45

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्‌भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16